ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विवि के नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग की प्रस्तुति

'हे राम!' नाटक राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव में प्रस्तुत

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग ने कनकवली (सिंधुदूर्ग) में भारतीय नाटयलेखक प्रेमानंद गज्वी नाटय महोत्सव में **'हे राम!'** नाटक का मंचन कर कोंकण के नाटयप्रेमियों से वाहवाही लूटी। कनकवली के आचरेकर कला प्रतिष्ठान की और से आयोजित इस महोत्सव में 'हे राम' ने दर्शकों की खूब लालियां भी बटोरी। नाटक की परिकल्पना तथा निर्देशन नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर व नाटयलेखक डॉ. सतीश पावड़े का था। उन्होंने नाटककार प्रेमानंद गज्वी लिखित इस मूल मराठी नाटक को हिंदी में अनुदित कर इसका सफल प्रयोग कराया। नाटक का निर्माण विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रवि चतुर्वेदी ने किया तथा असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रयाज़ हसन व अखिलेश दीक्षित ने निर्माण में सहयोग दिया।

विदित हो कि कनकवली का आचरेकर कला प्रतिष्ठान हर वर्ष नाथ पै महोत्सव हेतु मराठी भाषा के एक भारतीय नाटयलेखक का चुनाव करता है तथा उसे नाटक को मंचन करने के साथ साथ निर्देशक तथा नाट्य संस्थाओं का भी चुनाव कर उसे निमंत्रित करता है। यह एक सुखद संयोग है कि इस परिप्रेक्ष्य में 'हे राम!' नाटक को निर्देशित करने के लिए डॉ. सतीश पावड़े का तथा संस्था के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग का चयन किया गया।

नाटक में चतुर्थ छमाही के छात्र निरज उपाध्याय, अनीता गुप्ता, सुनिता थापा, रोहित कुमार, मनीष कुमार, तिलिनी दर्शनी मुनासिंघे आदि ने भूमिका निभाई। पार्श्वसंगीत तथा प्रकाश संयोजन जैनेन्द्र कुमार दोस्त ने किया। प्रस्तुति नियंत्रण तथा वस्त्रसज्जा सुनिता थापा ने की, रूपसज्जा तथा मुखौटें का निर्माण मनीष कुमार ने किया। मंचसज्जा निरज उपाध्याय की थी। मंचन में तिलिनी दर्शनी मुनासिंघे,

तथा रोहित कुमार ने तकनिकी सहयोग दिया।

नाटक का सफलपूर्वक मंचन करने के लिए निर्देशक डॉ. सतीश पावड़े तथा सभी कलाकारों का नाटयलेखक प्रेमानंद गज्वी, विधायक प्रमोद जठार तथा संयोजक वामन पंडित द्वारा स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया गया। मराठी भाषा में होनेवाले इस महोत्सव में हिंदी भाषा में पहली बार यह प्रस्तुति की गयी जिसे कोंकण के दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस नाटयप्रयोग की सफलता के लिए विवि के कुलपति विभूति नारायण राय ने नाटय एवं फिल्म अध्ययन विभाग को बधाई दी है।

'हे राम' के बारे में

*प्रेमानंद गज्वी मराठी भाषा के चुनिंदा नाटयलेखकों में से एक है। उनके चौदह नाटक इस महोत्सव में प्रस्तुत किये गये। जिसमें नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग द्वारा उनके बहुचर्चित **'हे राम!'** नाटक को प्रस्तुत किया गया। आज भ्रष्ट, स्वार्थी, गुनहगार, राजनेताओं ने गांधी को कैसे केवल पुतलों में कैद कर, गांधी विचारों की हत्या कर दी, यह इस नाटक की मुख्य विषयवस्तु है। यह नाटक गांधी जी तथा गांधी विचारो की दुखांत यात्रा प्रस्तुत करता है, जो समकालीन यथार्थ को अतियथार्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। निदेशक डॉ. सतीश पावड़े ने इसे प्रयोगशील शैली में मंचित किया। ब्लॅक कॉमेडी (कृष्णा सुखात्मिका) फॅन्टसी (चमत्कृति) सररियालिस्टिक (अतियथार्थवादी) रूप के माध्यम से इस नाटक को प्रभावी बनाया है।*

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी